येलो - एक क्रांतिकारी सोलर स्कूल बैग राइटिंग डेस्क में रूपांतरित

उदयपुर, भारत, August 2015 /PRNewswire/ --

ग्रामीण क्षेत्रों में विद्यार्थियों के लिए बुनियादी शैक्षिक सुविधाओं जैसे कि साधारण स्कूल बैग, राइटिंग डेस्क और पढ़ने के लिए रोशनी की व्यवस्था का अभाव है

दुनिया भर में लाखों बच्चों को पढ़ाई के दौरान लगातार छह से आठ घंटों तक फर्श पर असुविधाजनक स्थितियों में बैठना पड़ता है, जिससे पीठ का दर्द, नज़र की कमजोरी, और एकाग्रता व पढ़ने की क्षमता में कमी जैसी समस्याएं बन जाती हैं।

(Photo: http://photos.prnewswire.com/prnh/20140908/10105820)

(Photo: http://photos.prnewswire.com/prnh/20140908/10105820-a)

हर 10 में से नौ बच्चों को शुरूआती बचपन में ही बैठने की मुद्रा से जुड़ी समस्याओं का सामना करना पड़ता है। ग्रामीण इलाकों में बिजली एक बड़ी समस्या है। दुनिया भर में आज भी 1.3 बिलियन लोग बिना बिजली के रह रहे हैं। अंधेरा होने पर ज़्यादातर विद्यार्थियों को केरोसेन तथा दूसरे ईंधन वाली लाइटों पर निर्भर रहना पड़ता है, जो काफी कार्बन डाइऑक्साइड (CO_2) निकालती हैं, जो कि कैंसर से लेकर व्यवहारगत दोषों की वजह मानी जाती है।

हमारे प्रोडक्ट डिजाइनर श्री सौरभ बाग ने बुद्धिमानी से येलो स्कूल बैग को डिजाइन किया है जो रिसाइकिलेबल प्लॉस्टिक से बना है, जो कि बच्चों द्वारा स्कूल बैग के तौर पर उपयोग के लिए एकदम कम लागत वाला टिकाऊ समाधान है, यह न केवल बच्चों को उनकी किताबें और अध्ययन सामग्री सुरक्षित ढंग से ले जाने में मदद करता है (हर मौसम में) बल्कि सिंगल फोल्ड तकनीक से स्कूल डेस्क में भी बदल जाता है। यह डेस्क, विद्यार्थियों को पढ़ने-लिखने के लिए 30-35 डिग्री का कोण देती है, जिससे वे पढ़ते समय अपने शरीर की सही मुद्रा बनाए रख सकते हैं।

येलो में सोलर किट में रिचार्जेबल बैटरी के साथ सोलर एलईडी लैम्प लगा है, जिसे धूप से चार्ज तो किया ही जा सकता है, इसके साथ ही बिजली से भी चार्ज करके आठ घंटे तक चलाया जा सकता है।

यह नए तरह का येलो बैग न केवल राज्य स्तर पर सराहा गया है बल्कि भारत के विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा इसे नवप्रवर्तन हेतु राष्ट्रीय स्तर पर पुरस्कृत किया गया है। यह बैग देखकर ही इसकी खूबियों का अंदाजा हो जाता है। देश में ही नहीं, बल्कि दुनिया भर में इस बैग ने अपनी एक पहचान कायम की है और अफ्रीकी देशों से इसे बेहतरीन प्रतिक्रियाएं मिली हैं।

मनीष माथुर, मैनेजिंग डायरेक्टर, प्रयास इनोवेशन ने इस संबंध में कहा कि, "अभी तक हमने भारत के विभिन्न भागों में एनजीओ की सहायता से 2,000 से अधिक ग्रामीण बच्चों को इसका लाभ दिया है। हम दुनिया भर में सरकारी संगठनों, एनजीओ, कंपनियों, तथा अन्य सामाजिक संगठनों से और भी अधिक सहयोग के लिए तत्पर हैं, ताकि हम हर एक विद्यार्थी तक पहुंच सकें।"

येलो का उद्देश्य "सबके लिए एक बेहतर दुनिया" बनाना है।

प्रयास इनोवेशन के विषय में:

प्रयास इनोवेशन एक अंतर्राष्ट्रीय सामाजिक उद्यम है जो ऊर्जा, शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्रों में समाज द्वारा सामना की जाने वाली चुनौतियों का समाधान करता है। तीसरी दुनिया के देशों में लोगों की जीवन गुणवत्ता बेहतर बनाते हुए अधिक स्वस्थ, सुरक्षित और उन्नत समाज की रचना करना ही कंपनी का मकसद है। ज़रूरत आधारित, कम लागत वाले नवप्रवर्तक उत्पाद देने के विज़न के साथ, बुद्धिमत्तापरक डिजाइन के माध्यम से जीवन गुणवत्ता बेहतर बनाने की दिशा में प्रयास इनोवेशन अनवरत प्रयासरत है।

डिजाइनरों, इंजीनियरों, और विविध जीवन क्षेत्रों में विशेषज्ञ लोगों की बहुप्रतिभाशाली टीम का नेतृत्व ऐसे सलाहकारों और मार्गदर्शकों द्वारा किया जाता है जिन्होंने फिलिप्स जैसी कंपनियों में काम किया है और विखयात विश्वविद्यालयों में पढ़ाया है। अधिक जानकारी के लिए http://www.prayasinnovation.com देखें।

मीडिया संपर्क
मनीष नाथ माथुर
manishm@prayasinnovation.com
+91-7726061432
मैनेजिंग डायरेक्टर
प्रयास इनोवेशन प्रा. लि.

.